हे प्रभु हमको अभय वरदान दो,
दीन को दाता दया का दान दो,
हें प्रभु हमको अभय वरदान दो।।

तर्ज दिल के अरमा।

भक्ति रस से सींच दो अंत:करण,
भक्ति रस से सींच दो अंत:करण,
मत मुझे जग के कटु विष पान दो,
हें प्रभु हमको अभय वरदान दो।।

साज जीवन का हुआ है बेसुरा,
साज जीवन का हुआ है बेसुरा,
कर दया इसको सुरीली तान दो,
हें प्रभु हमको अभय वरदान दो।।

वक्त ने है लुट ली जिनकी खुशी,
वक्त ने है लुट ली जिनकी खुशी,
मेरे उन होंठों को फिर मुस्कान दो,
हें प्रभु हमको अभय वरदान दो।।

तुमने भक्तो की रखी है पत सदा,
तुमने भक्तो की रखी है पत सदा,

दाता मेरी ओर भी कुछ ध्यान दो,
हें प्रभु हमको अभय वरदान दो।।

ब्रहस्पति भी नीत गायेगा गुण आपका,
डिम्पल भी नीत गाएगीगुण आपका,
शुद्धता सुचिता सदन का ज्ञान दो,
Bhajan Diary Lyrics,
हें प्रभु हमको अभय वरदान दो।।

हे प्रभु हमको अभय वरदान दो,
दीन को दाता दया का दान दो,
हें प्रभु हमको अभय वरदान दो।।

स्वर डिम्पल भूमि।

Source: https://www.bharattemples.com/hey-prabhu-humko-abhay-vardan-do/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples

Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw